खेल गीत

मुर्गा बोला कुकड़ू-कूँ

मुर्गा बोला कुकड़ू-कूँ,
चल मेरे भैया रुकता क्यूँ!

कुत्ता भौंके, भौं-भौं-भौं,
अटकी गाड़ी पौं-पौं-पौं।

बकरी आई, बिल्ली आई,
मेंऽ-मेंऽ आई, म्याऊँ-म्याऊँ आई।

धक्की गाड़ी धौं-धौं-धौं,
चल दी गाड़ी पौं-पौं-पौं।

शिक्षण-संकेत – अन्य जानवरों की आवाज़ें बताकर इस खेल गीत को आगे बढ़ाइए। बच्चों को खेल के मैदान में एक-दूसरे के पीछे रेलगाड़ी बनाकर आगे बढ़ते हुए यह खेल गीत करवाएँ।

© NCERT not to be republished

गिलहरी की कहानी

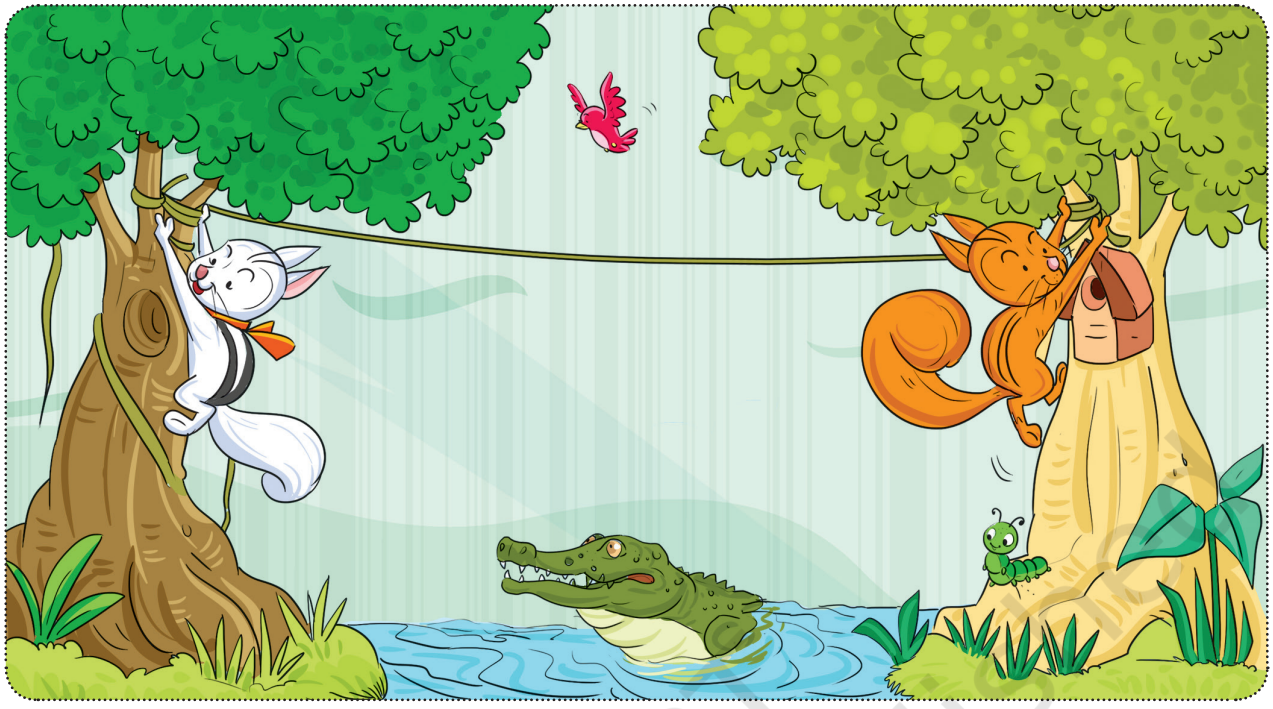

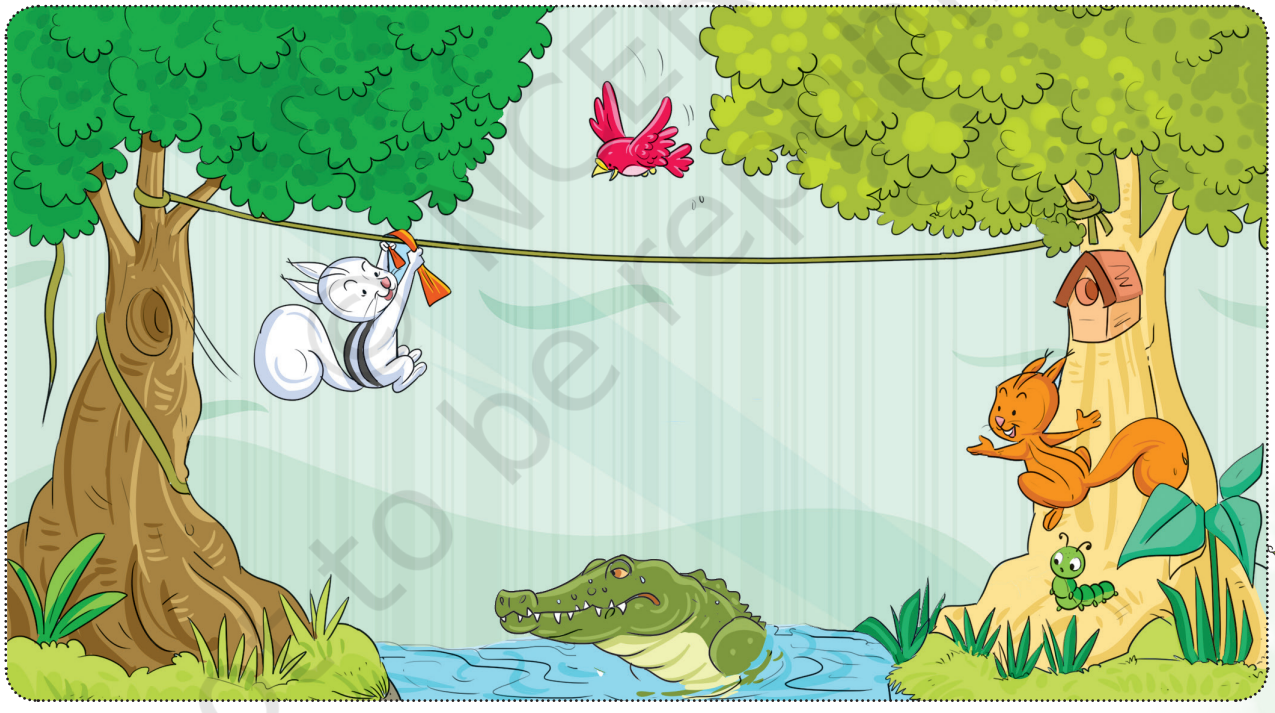

शिक्षण-संकेत – बच्चों से चित्र के आधार पर अपनी कहानी बनाने के लिए कहें। बच्चों को प्रेरित करें कि वे चित्र में दी गई चिड़िया और इल्ली को भी कहानी में शामिल करें। बच्चों को अपनी भाषा में कहानी सुनाने के लिए प्रोत्साहित करें।

5

मिलकर पढ़िए

QRickit

0122CH05

मिठाई

एक दिन गधे का मन मिठाई खाने का हुआ।

गधे ने अपने मित्रों से कुछ मीठा खाने को माँगा।

भालू ने कहा, “शहद खा लो।”
गधे ने मना कर दिया।

खरगोश ने कहा, “गाजर खा लो।”
गधे ने मना कर दिया।

चींटे ने कहा, “गुड़ खा लो।”
गधे ने मना कर दिया।

© NCERT not to be republished

हाथी ने कहा, “गन्ना खा लो।”
गधे ने मना कर दिया।

गिलहरी ने कहा, “आम खा लो।”
गधे ने मना कर दिया।

बिल्ली बोली, “हलवाई की दुकान पर चलो।” गधे को यह बात पसंद आ गई।

© NCERT not to be republished

तब सब साथ-साथ मिठाई खाने के लिए चल पड़े।

साभार – बरखा क्रमिक पुस्तकमाला,
एन.सी.ई.आर.टी.

1. किसे खाने में क्या पसंद है? रेखा खींचकर मिलाइए –

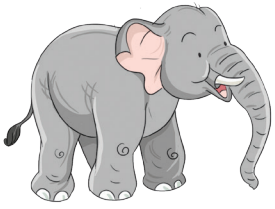

2. नीचे दी हुई वस्तुओं को पहचानकर उनके नाम बताइए और पढ़ने का प्रयास कीजिए –

गधा

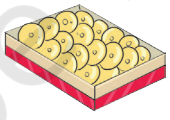
मिठाई

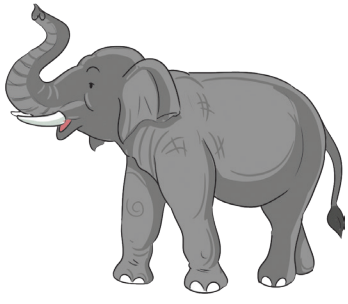
हाथी

3. इस कहानी में कौन-कौन से जानवर हैं? किन्हीं तीन जानवरों के नाम लिखिए –

....

शिक्षण-संकेत – 'मिठाई' कहानी में आए हुए शब्दों एवं अन्य शब्दों की सहायता से बच्चों को 'ग', 'ह', 'ठ', 'ध' की ध्वनि और आकृति की पहचान कराएँ।

© NCERT not to be republished

3. सही या गलत? वाक्यों के सामने ✓ का चिह्न लगाकर बताइए –

(i) गधे ने बिल्ली की बात मान ली। सही / गलत

(ii) खरगोश ने आम खाने को कहा। सही / गलत

(iii) हाथी ने कुछ नहीं कहा। सही / गलत

(iv) सभी ने गधे की सहायता करने का प्रयत्न किया। सही / गलत

शब्दों का खेल

नीचे दी गई कविताओं को पढ़िए –

ईख खेत में बोली,
अपने पास वाली ईख से;
मेरे ऊपर क्यों गिरती हो,
खड़ी रहो ना ठीक से!

– प्रभात

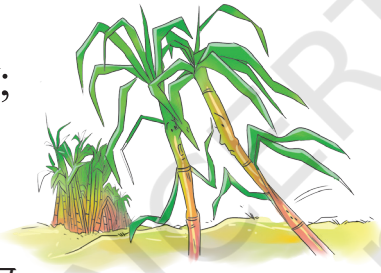

इमली की डाल पर,
बैठी थी चिड़िया;
खा रही थी इमली,
देख रही थी मुनिया।

खोजें-जानें

अपने घर के आस-पास अपने परिवार के लोगों के साथ घूमिए। छोटे-छोटे कीड़ों, मकोड़ों, जानवरों को देखिए। वे क्या करते हैं, क्या खाते हैं, कितने अलग-अलग रंग के हैं आदि विशेषताओं पर ध्यान दीजिए। घर आकर इनके चित्र बनाइए और कुछ शब्द भी लिखना चाहें, तो अवश्य लिखिए। अगले दिन कक्षा में सभी के साथ साझा कीजिए।

शिक्षण-संकेत – बच्चों से कहानी और कविताओं में आए शब्दों— 'मिठाई', 'ईख', 'इमली', 'गिलहरी', 'बिल्ली', 'चींटा', 'मीठा' आदि की सहायता से 'इ' और 'ई' की ध्वनियों और आकृतियों एवं उनकी मात्राओं (ि) एवं (ी) की पहचान करवाएँ।

© NCERT not to be republished